

संक्षिप्त समाचार

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में 1410 बच्चों का स्वर्णप्राप्ति

रायपुर (विश्व परिवार)। बच्चों के व्याधिक्षमत्व, पाचन वर्धन एवं रोगों से बचाव के लिए शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय रायपुर में आज 1410 बच्चों को स्वर्णप्राप्ति कराया गया। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय के कौमारभूत्य विभाग द्वारा हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्णप्राप्ति कराया जाता है। स्वर्णप्राप्ति के साथ ही शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. लवकेश चन्द्रवर्णी ने बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय परिसर में प्राचीर्य प्रो. डॉ. जी.आर. चूर्णवेदी, विश्व परिवार एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री के.एल. चौहान ने मंगलवार को संयुक्त जिला कार्यालय में आयोजित सम्पर्क समय के बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव को दृष्टिकोण रखकर कार्यों का निपटान समय पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मतदान केंद्रों में पेयजल, शौचालय, व्हाल चेयर, वेबकार्टिंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को मतदान दिवस के 7 दिवस पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर श्री चौहान ने प्रयोक्ता विधानसभा में 10-10 आदर्श मतदान केंद्र, 205 संगवारी मतदान केंद्र, 4 युवा मतदान केंद्र तथा 4 दिव्यांग मतदान केंद्र में आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने मतदान दिवस के लिए बस एवं अन्य वाहन अधिग्रहण के लिए रुट का निर्धारण करते हुए अवश्यक अनुसार वाहन अधिग्रहण करने के निर्देश जिला परिवहन अधिकारी को दिए। इसके साथ ही कलेक्टर श्री चौहान ने प्रयोक्ता विधानसभा में 10-10 आदर्श मतदान केंद्र, 205 संगवारी मतदान केंद्र, 4 युवा मतदान केंद्र तथा 4 दिव्यांग मतदान केंद्र में आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने मतदान दिवस के लिए बस एवं अन्य वाहन अधिग्रहण के लिए रुट का निर्धारण करते हुए अवश्यक अनुसार वाहन अधिग्रहण करने के निर्देश जिला परिवहन अधिकारी को दिए। इसके साथ ही आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय द्वारा इस वर्ष की अन्य पुष्य नक्षत्र तिथियों 25 जनवरी को 1235, 21 फरवरी को 1402 और 19 मार्च को 1720 बच्चों को स्वर्णप्राप्ति कराया गया था।

नवरात्र पर सतरुपा शीतला मंदिर में जसगीत-झांकी की मधी धूम

दुर्ग (आरएसएस)। कसारीडी सिविल लाइन निश्चित मां सतरुपा शीतला मंदिर में आयोजित जसगीत झांकी कार्यक्रम में समाजसेवी सुरेंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मां शीतला के दर्शन कर शहर की सुख सुमुद्रि के लिए कामना की। जस गीत झांकी कार्यक्रम में समाजसेवी सुरेंद्र शर्मा ने मंदिर में प्रस्तावित भव्य मुख्य प्रवेश द्वारा के निमित्त के लिए 51 द्वारा रुपए सहयोग राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन लोकालाकर शिवाकांत के लिए यह एक व्यक्ति को सुनिश्चित करने के निर्देश जिला परिवहन अधिकारी ने किया। इस दौरान सतरुपा शीतल सेवा समिति अध्यक्ष रोमनाथ रुद्ध, उपायक्ष रोमनाथ सिंह, उपायक्ष प्रदीप देशमुख, कार्यालय सुरेंद्र धर्मांकन, श्री साईं मंदिर समिति के सचिव धर्मेन्द्र सिंह चंदेल, संतोष खिरोडकर आदि मौजूद रहे।

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने अंकभारती के द्वारा नामी अंकों को इतिहास अंकों के बैंज ने कहा, कोरबा की जनत का उत्साह, प्रेम और अपार जनसमर्थन स्पष्ट संकेत दे रहा है कि पुनः इस बार कोरबा लोकसभा में कांग्रेस की जीत निश्चित हो जाएगी।

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बवेल, नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरण दास महंत, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल सहित वरिष्ठ जन उपरिधित रहे।

बता दें कि कोरबा और रायपुर समेत छत्तीसगढ़ की सात सीटों पर नामांकन लाभिले की अंकित जयसिंह द्वारा अपेक्षा जारी है। बीजेपी ने जहां राधेश्याम राठिया को चुनावी मैदान में उतारा है वहाँ, कांग्रेस ने डॉ. मेनका सिंह को टिकट दिया है। मेनका सिंह ने अभी नामांकन जमा नहीं किया है। सातों सीटों पर 7 मई को बोटिंग होगी।

यह बता दें कि कोरबा और रायपुर समेत छत्तीसगढ़ की सात सीटों पर नामांकन लाभिले की अंकित जयसिंह द्वारा अपेक्षा जारी है। बीजेपी ने जहां राधेश्याम राठिया को चुनावी मैदान में उतारा है वहाँ, कांग्रेस ने डॉ. मेनका सिंह को टिकट दिया है। मेनका सिंह ने अभी नामांकन जमा नहीं किया है। सातों सीटों पर 7 मई को बोटिंग होगी।

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। रायपुर के लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल किया नामांकन पत्र

जिसमें इसके लिए यह कार्यक्रम के उपरांत एक विश्वासी विवरण दिया गया। लोदाम के कवि

कोरबा लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना चरणदास महंत ने दाखिल क

संपादकीय बंगाल में नाक और साख का सवाल

**कंकड़ फेंक कर ठहराव
तोड़ने की कोशिश.....**

अमेरिकी पत्रिका न्यूज़वीक के एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन से सामान्य संबंध की बात की है। यह महत्वपूर्ण तो है ही, बल्कि माध्यम-स्रेत एवं मतदान के लिहाज से भी अनेक संकेत देता है। इसका प्राथमिक संदर्भ तो निश्चित ही भारत और चीन संबंध हैं पर इसके जरिए अमेरिका, रूस और तमाम यूरोपीय देश एवं वैश्विक समूहों-मंचों को एक स्पष्ट संदेश दिया गया है। इसके अपने सांदर्भिक महत्व हैं। देशज मतलब यह हो सकता है कि गलवान में 2020 की हिंसक झड़प के बाद से सीमा पर हालात सामान्य बनाए जाने पर ही संबंध सुधार की पहली सख्त शर्त एक थकान में बदलने लगी है। 21वें दौर की बातचीत का कोई बड़ा आउटपुट नहीं मिला है। यह विस्तृत सीमा विवाद को सुलझाने की छह दशकों से जारी वार्ता की नियति को प्राप्त हो गई है। विपक्ष को हमलावर होने को मौका मिल रहा है। इससे सत्ता पक्ष की हानि हो सकती है। यह तर्क मान लें तो इससे विपक्ष और हमलावर हो जाएगा जो पहले ही चीन के जमीन हथियाने के मामले में मोदी पर कायर होने का आरोप लगा रहा है। ऐसी स्थिति में नरमियत दिखाना विपक्ष समेत देश एवं चीन को यह मानने का संकेत देना होगा कि प्रधानमंत्री मोदी द्युक गए हैं, जो सही नहीं है। जाहिर है, मोदी जैसे प्रधानमंत्री ऐसा नहीं करेंगे-विवाद का शांतिपूर्ण हल निकालने की स्वाभाविक सदिच्छा के बावजूद। सामान्य संबंध की कामना देश के विकास से जुड़ी होती है, और कोई भी राजनेता इसकी महत्ता से इनकार नहीं कर सकता, लेकिन यह संप्रभुता की कीमत पर नहीं होती। भारत जिस जगह पर है, वहां से तो इसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती। फिलहाल, इसका देशज अर्थ यही है कि मोदी ने कंकड़ फेंक कर ठहराव तोड़ने की कोशिश की है। चीन ने खुले दिल से इसका स्वागत भी किया है। हालांकि उसने भारत के रवैये में सुधार आने को अमेरिका को संदेश दिया जाना भी पढ़ा है, जो क्वाड के मंच से भारत के जरिए चीन की घेरेबंदी कराना चाहता है, लड़ाना चाहता है। बाइडेन क्वाड, यूक्रेन करते हुए भी चीन के साथ होने का इजहार करने से बाज नहीं आ रहे तो तमाम प्रतिकूलताओं के बावजूद भारत सामान्यतया की ओर क्यों नहीं बढ़ सकता। इससे अमेरिकी दौरे तेज हो जाएंगे।



प्रभाकर मणि तिवारी

लोकसभा सीटों के लिहाज से तीसरे सबसे बड़े राज्य में दोनों बड़े दावेदारों यानी तृणमूल व भाजपा पर अपनी पुरानी सीटों को बचाने और उनकी तादाद बढ़ाने की गंभीर चुनौती है। कसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की 42 सीटें राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी भाजपा के लिए नाक और साख का सवाल बन गई हैं। इन सीटों के लिए सात चरणों में मतदान होना है। इंडिया गर्डबंधन के सहयोगी दलों यानी कांग्रेस और वाम मोरचा के साथ सीटों पर तालमेल के बजाय तृणमूल कांग्रेस राज्य की तमाम सीटों पर अकेले लड़ रही है। कांग्रेस और वाम मोरचा ने सीटों पर समझौता किया है। दूसरी ओर, भाजपा भी तमाम सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इन दोनों दावेदारों यानी तृणमूल कांग्रेस और भाजपा पर इस बार अपनी पुरानी सीटों को बचाने और उनकी तादाद बढ़ाने की गंभीर चुनौती है। यही वजह है कि दोनों पार्टियों के शीर्ष नेताओं ने बेहद आक्रामक चुनाव अभियान शुरू किया है। जो तीसरी लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को 22 और भाजपा को 18 सीटें मिली थीं। दो सीटें कांग्रेस के खाते में गई थीं, जबकि लेफ्ट या वाम

मिल सकता है। वह नागरिकता कानून के जरिए राज्य की एक करोड़ से ऊपर की मतुआ आबादी को अपने पाले में खींचने का प्रयास कर रही है। इसी तरह संदेशखाली कार्ड के जरिये पार्टी के तमाम नेता राज्य में महिलाओं की स्थिति का प्रचार कर रहे हैं। राज्य में कम से कम पांच सीटों पर मतुआ बोटर निर्णायक हैं, इनमें महुआ भोजता की कृष्णनगर सीट भी है, पर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी लगातार प्रचार कर रही है कि सीएए के तहत आवेदन करते ही नागरिकता छिन जाएगी। ममता इस कानून को एनआरसी से भी जोड़ रही हैं। ऐसे में, पिछलाहल इस कानून का पथदा या नुकसान किसे होगा, बताना मुश्किल है। भाजपा के लिए शिक्षक भर्ती और राशन घोटाला भी एक प्रमुख मुद्दा है। ममता बनर्जी समेत तृणमूल कांग्रेस के तमाम नेता केंद्रीय एजेंसियों के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप लगा रहे हैं। साथ ही, केंद्रीय योजनाओं के मद में कोई पैसा नहीं देने का आरोप भी उठ रहा है। ममता और पार्टी के नेता राज्य सरकार की ओर से शुरू की गई लक्ष्मी भंडार, कन्याश्री, सबुज साथी और युवाश्री के अलावा विधवा और बुजुर्ग पेंशन जैसी योजनाओं का जमकर प्रचार कर रहे हैं। राज्य के 7.18 करोड़ बोटरों में 3.59 करोड़ महिलाएं शामिल हैं। साल

2021 के विधानसभा चुनाव में इन योजनाओं ने महिलाओं का करीब 55 प्रतिशत बोट पार्टी के दिलाया था। उसके बाद लक्ष्मी भंडार योजना शुरू कर्गई है। केंद्रीय योजनाओं की काट के तौर पर राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस अपने मजबूत तंत्र के जरिए अपनी योजनाओं का तृणमूल स्तर तक प्रचार करने में कामयाब रही है। हालांकि, इन योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभ में भ्रष्टाचार के आरोप उठते रहे हैं, लेकिन पार्टी के नेता दावा करते हैं कि इसका कोइ असर नहीं होगा। उत्तर 24-परगना जिले में विभिन्न घोटालों में पार्टी के मजबूत नेताओं की गिरफतारी ने ऐसे तृणमूल की चिंता बढ़ा दी है। वहां संगठन संभालने वाले मंत्री ज्योतिप्रिय महिलक राशन घोटाले में जेल में हैं, तो कोलकाता और हुगली जिले में चुनावी जिम्मा संभालने वाले पार्थ चटर्जी भी शिक्षक भर्ती घोटाले में हवालात में हैं। संदेशखाली की घटना और उस मामले में शाहजहां शेख समेत पार्टी के कई नेताओं की गिरफतारी भी पार्टी के लिए सिरदर्द बन गई है संदेशखाली इलाका बशीरहाट लोकसभा क्षेत्र के तहत है। पार्टी ने इस सीट से पिछली बार जीतने वाली अभिनेत्री नुसरत जहां को टिकट नहीं दिया है। संदेशखाली कांड के दौरान उनकी काफी किरकिरी हुक

थी। इसी तरह बीरभूम व आसपास के जिलों में पार्टी के चुनाव अभियान की जिम्मेदारी उठाने वाले बाहुबली नेता अणुब्रत मंडल भी पश्च तस्करी मामले में दिल्ली के तिहाड़ जेल में हैं। पिछले चुनाव में पार्टी का मजबूत स्तंभ रहे पार्थ चटर्जी जेल में हैं, तो शुर्खेंदु अधिकारी भाजपा में। इसके साथ ही तृणमूल कांग्रेस नागरिकता कानून का डर दिखा कर अल्पसंख्यक वोटरों को एकजुट करने के प्रयास कर रही है। मोटे अनुमान के मुताबिक, राज्य में इस तबके की आवादी 30 प्रतिशत से ज्यादा है। पार्टी भाजपा के राम मंदिर और नागरिकता कानून के मुद्दे को अपने सियासी हित में इस्तेमाल करते हुए इस तबके में बिखराव रोककर एकजुट करने का प्रयास कर रही है। पिछले चुनाव में अल्पसंख्यक वोटों के विभाजन के कारण भाजपा को उत्तर दिनांकपुर और मालदा जिलों की एक-एक सीट पर जीत मिली थी। तृणमूल कांग्रेस का लक्ष्य अबकी इस बिखराव को रोकना है। दक्षिण बंगाल के पांच जिलों में फैले गंगा के मैदानी इलाकों में लोकसभा की 16 सीटें हैं। भाजपा ने पिछली बार इनमें से महज तीन सीटें जीती थीं। इन इलाकों में तृणमूल ने छह नए चेहरों को मैदान में उतारा है। भाजपा उत्तर बंगाल में मजबूत समझी जाती है। पिछली बार उसने इलाके की आठ में सात सीटें जीत ली थीं, पर इस बार उसे वहां भी अंतरकलह से जूझना पड़ रहा है। उसकी सबसे बड़ी चिंता दक्षिण बंगाल में पार्टी का संगठन कमज़ोर होना है। विपक्ष के नेता शुर्खेंदु अधिकारी के अलावा उसके पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है। जंगलमहल इलाके में लोकसभा की आठ सीटें हैं। पिछली बार इनमें से भाजपा को पांच और तृणमूल को तीन सीटें मिली थीं, पर तब मेदिनीपुर इलाके के धाकड़ नेता शुर्खेंदु अधिकारी तृणमूल में थे। उनके 2019 में भाजपा में जाने के बाद सियासी समीकरण बदला है। कांग्रेस और लेपट्र फ्रंट ने तृणमूल पर भाजपा से तालमेल का आरोप लगाते हुए अपना चुनाव अभियान शुरू किया है।

विचार

कृड़ा-करकट डालने का स्थान बनते जा रहा समुद्र तल.....

भारत और अमेरिका के संबंध

यह चर्चा का विषय बना हुआ है। दोनों देशों के बीच संबंध इतने व्यापक हैं कि इस तरह की आशंका अतिरिंजित लगती है। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की संख्या तथा वहां के जन-जीवन में इस समुदाय के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि संबंधों में खास गिरावट आएगी। लेकिन इतना जरूर है कि अमेरिका के तेवर बदल रहे हैं। पश्चिमी देशों की मीडिया और वहां के थिंक टैंक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की प्रखर नीतियों को लेकर शुरू से ही आलोचना करते रहे हैं। उनकी ओर से बाइडन प्रशासन को यह नसीहत दी जाती है कि भारत एक उदारवादी और लोकतांत्रिक शासन प्रणाली पर खरा नहीं उतर रहा है। इसलिए वह अमेरिका का विश्वसनीय सहयोगी नहीं बन सकता। यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत ने पश्चिमी देशों के दबावों के बावजूद रूस के साथ अपने संबंधों में काई कमी नहीं की। संबंध पहले जैसे ही मजबूत बने हुए हैं। इस बीच बाइडन प्रशासन ने चीन के साथ अपने संबंधों में तनाव कम करने के लिए कई पहल की हैं। लगता है कि अमेरिकी प्रशासन पहले रूस से निपटने की तैयारी में है। फिलहाल वह एशिया में

चीन के खिलाफ दूसरा मोर्चा खालने के पक्ष में नहीं है। इस नई नीति के कारण अमेरिका को अब भारत के समर्थन की दरकार नहीं है। यही कारण है कि छाड़ की गतिविधियां शिथिल पड़ गई हैं। इसके विपरीत एशिया के अन्य देशों जापान, दक्षिण कोरिया, फिलिपींस और ऑस्ट्रेलिया के साथ अपना सहयोग बढ़ा रहा है। भारत के लिए वित्ता का विषय अमेरिका और पाकिस्तान के संबंधों में आ रही गर्मजोशी है। राष्ट्रपति बाइडन ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर द्विपक्षीय संबंधों को फिर से सक्रिय बनाने की मंशा जाहिर की है। उसके बाद विदेश मंत्री एंटनी लिंकन ने भी पाकिस्तान के विदेश मंत्री से टेलीफोन पर बात की। पिछले दिनों ईरान के सिस्तान में आतंकवादी हमला हुआ जिसके लिए पाकिस्तान में पनाह लिये आतंकवादियों को दोषी माना गया। पहले भी ईरान में इसी तरह के हमले हुए थे, जिसके बाद उसने पाकिस्तान में आतंकवादी अड्डों को निशाना बनाया था। नए हमले में ईरान के चाबहार इलाके को भी निशाना बनाया गया। चाबहार में बंदरगाह प्लेटफार्म के रूप में भारत की रणनीतिक संपदा है। भारत, रूस और ईरान इस गलियारे और चाबहार बंदरगाह पर किसी तरह के खतरे को बर्दाश्त नहीं कर सकते। संभव है कि आने वाले दिनों में ये देश कोई सुरक्षा रणनीति तय करें। पाकिस्तान ने

अमेरिका और पश्चिमी देशों की सहानुभूति ओर समर्थन हासिल करने के लिए ब्रिटेन के अखबार 'गार्जिञ्च' की रिपोर्ट का सहारा लिया है। इस अखबार में अपनी कथित खोजबीन के आधार पर आरोप लगाया है कि भारत ने पाकिस्तान की सरजर्मी पर कम-से-कम 20 लोगों की हत्या की है। अखबार इन्हें आतंकवादी नहीं पाकिस्तान का नागरिक मानता है। इस रिपोर्ट के प्रकाशित होने के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बयान के भी पाकिस्तान ने बहुत तूल दी है। रक्षा मंत्री ने आतंकवादियों को 'घर में घुसकर' मारने की बात कही थी। उनका इशारा उरी हमले के बावजूद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बावजूद बालाकोट एअरस्ट्राइक की ओर था। लेकिन पाकिस्तान ने इसे अमेरिका और कनाडा में हुई घटनाओं से जोड़ने की कोशिश की। पश्चिमी देश अमेरिका और कनाडा के खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ भारत की कार्रवाईयों को लेकर नई दिल्ली को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करते रहे हैं। खालिस्तानी आतंकवादी गुरुपतवंत सिंह पन्नू को बचाने के लिए अमेरिका ने द्विपक्षीय संबंधों को दांव पर लगा दिया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस विवाद को सीमित रखने की हरसंभव कोशिश की है लेकिन कहना मुश्किल है कि अमेरिका भविष्य में अपने तेवर में बदलाव करेगा। पश्चिमी देशों की मीडिया को ध्यान में रखना चाहिए कि भारत

में इन दिनों चुनाव का मौसम है। राष्ट्रपति बाइडन ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर द्विपक्षीय संबंधों को फिर से सक्रिय बनाने की मंशा जाहिर की है। उसके बाद विदेश मंत्री एंटनी बिलंकन ने भी पाकिस्तान के विदेश मंत्री से टेलीफोन पर बात की। पिछले दिनों ईरान के सिस्तान में आतंकवादी हमला हुआ जिसके लिए पाकिस्तान में पनाह लिये आतंकवादियों को दोषी माना गया। पहले भी ईरान में इसी तरह के हमले हुए थे, जिसके बाद उसने पाकिस्तान में आतंकवादी अड्डों को निशाना बनाया था। नए हमले में ईरान के चाबहार इलाके को भी निशाना बनाया गया। चाबहार में बंदरगाह प्लेटफार्म के रूप में भारत की रणनीतिक संपदा है। भारत, रूस और ईरान इस गलियारे और चाबहार बंदरगाह पर किसी तरह के खतरे को बर्दाश्त नहीं कर सकते। संभव है कि आने वाले दिनों में ये देश कोई सुरक्षा रणनीति तय करें। पाकिस्तान ने अमेरिका और पश्चिमी देशों की सहानुभूति और समर्थन हासिल करने के लिए ब्रिटेन के अखबार 'गार्जियन' की रिपोर्ट का सहारा लिया है। चुनाव प्रचार में विदेश और रक्षा नीति भी प्रमुख मुद्दा हैं। सत्ता और विपक्ष के नेता अपनी चुनावी सभाओं में जो भाषण देते हैं, कोई जरूरी नहीं कि वह सरकार की नीति हो। इनके भाषणों के आधार पर राय कायम करना नासमझी होगा।

भारत और अमेरिका के

भारत और अमेरिका के संबंध क्या पटरी से उत्तर रहे हैं? अंतरराष्ट्रीय हलकों में आजकल यह चर्चा का विषय बना हुआ है। दोनों देशों के बीच संबंध इतने व्यापक हैं कि इस तरह की आशंका अतिरंजित लगती है। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की संख्या तथा वहाँ के जन-जीवन में इस समुदाय के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि संबंधों में खास गिरावट आएगी। लेकिन इतना जरुर है कि अमेरिका के तेवर बदल रहे हैं। पश्चिमी देशों की अमेरिका और वहाँ के थिक टैंक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की प्रखर नीतियों को लेकर शुरु से ही आलोचना करते रहे हैं। उनकी ओर से बाइड्न विदेश मंत्री एंटनी बिल्कन ने भी पाकिस्तान के विदेश मंत्री से टेलीफोन पर बात की। पिछले दिनों ईरान के सिस्तान में आतंकवादी हमला हुआ जिसके लिए पाकिस्तान में पनाह लिये आतंकवादियों को दोषी माना गया। पहले भी ईरान में इसी तरह के हमले हुए थे, जिसके बाद उसने पाकिस्तान में आतंकवादी अड्डों को निशाना बनाया था। नए हमले में ईरान के चाबहार इलाके को भी निशाना बनाया गया। चाबहार में बंदरगाह प्लेटफार्म के रूप में भारत की रणनीतिक संपदा है। भारत, रूस और ईरान इस गलियारे और चाबहार बंदरगाह पर किसी तरह के खतरे को बर्दाश्त नहीं कर सकते। संभव है कि आने वाले दिनों में ये देश कोई सुरक्षा रणनीति तय करें। पाकिस्तान ने

संबंध पटरी से उतर रहे

अमेरिका और पश्चिमी देशों की सहानुभूति और समर्थन हासिल करने के लिए ब्रिटेन के अखबार 'गार्जियन' की रिपोर्ट का सहारा लिया है। इस अखबार में अपनी कथित खोजबीन के आधार पर आरोप लगाया है कि भारत ने पाकिस्तान की सरजमी पर कम—से—कम 20 लोगों की हत्या की है। अखबार इन्हें आतंकवादी नहीं पाकिस्तान का नागरिक मानता है। इस रिपोर्ट के प्रकाशित होने के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बयान को भी पाकिस्तान ने बहुत तूल दी है। रक्षा मंत्री ने आतंकवादियों को 'घर में घुसकर' मारने की बात कही थी। उनका इशारा उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बाद बालाकोट एवं रस्ट्राइक की ओर था। लेकिन पाकिस्तान ने इसे अमेरिका और कनाडा में हुई घटनाओं से जोड़ने की कोशिश की। पश्चिमी देश अमेरिका और कनाडा के खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ भारत की कार्रवाइयों को लेकर नई दिल्ली को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करते रहे हैं। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पत्रू को बचाने के लिए अमेरिका ने द्विपक्षीय संबंधों को दांव पर लगा दिया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस विवाद को सीमित रखने की हरसंभव कोशिश की है लेकिन कहना मुश्किल है कि अमेरिका भविष्य में अपने तेवर में बदलाव करेगा। पश्चिमी देशों की मीडिया को ध्यान में रखना चाहिए कि भारत में इन दिनों चुनाव का मौसम है। राष्ट्रपति बाइडन ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर द्विपक्षीय संबंधों को फिर से सक्रिय बनाने की मंशा जाहिर की है। उसके बाद विदेश मंत्री एंटनी बिलंकन ने भी पाकिस्तान के विदेश मंत्री से टेलीफोन पर बात की। पिछले दिनों ईरान के सिस्तान में आतंकवादी हमला हुआ जिसके लिए पाकिस्तान में पनाह लिये आतंकवादियों को दोषी माना गया। पहले भी ईरान में इसी तरह के हमले हुए थे, जिसके बाद उसने पाकिस्तान में आतंकवादी अड्डों को निशाना बनाया था। नए हमले में ईरान के चाबहार इलाके को भी निशाना बनाया गया। चाबहार में बंदरगाह प्लेटफार्म के रूप में भारत की रणनीतिक संपदा है। भारत, रूस और ईरान इस गलियारे और चाबहार बंदरगाह पर किसी तरह के खतरे को बर्दाशत नहीं कर सकते। संभव है कि आने वाले दिनों में ये देश कोई सुरक्षा रणनीति तय करें। पाकिस्तान ने अमेरिका और पश्चिमी देशों की सहानुभूति और समर्थन हासिल करने के लिए ब्रिटेन के अखबार 'गार्जियन' की रिपोर्ट का सहारा लिया है। चुनाव प्रचार में विदेश और रक्षा नीति भी प्रमुख मुद्दा हैं। सत्ता और विपक्ष के नेता अपनी चुनावी सभाओं में जो भाषण देते हैं, कोई जरूरी नहीं कि वह सरकार की नीति हो। इनके भाषणों के आधार पर राय कायम करना नासमझी होगा।

मध्य प्रदेश गौड़

मध्य प्रदेश से लोकसभा की 29 सीटों पर शुश्रावाती चार चरणों में मतदान होना है। भाजपा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे और उनकी गारंटी की बात कर रही है; विकास, पिछड़ी जातियों के उत्थान, सनातन से जुड़े प्रतीकों के कायाकल्प की बात कर रही है। वहीं कांग्रेस महंगाई, प्रश्नाचार और ईवीएम के दुरुपयोग का मुद्दा उठा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 29 में से 28 सीटें जीतकर एकतरफा विजय पताका फहराई थी, सिर्फ एक सीट छिंदवाड़ा ही थी, जहां से कमलनाथ के सुपुत्र नकुलनाथ कांग्रेस के टिकट पर अपने पिता के स्थूल के आधार पर 37,536 मतों से किसी तरह जीत हासिल कर सके थे। कमलनाथ ने यह सीट 2009 और 2014 के लोकसभा

लोक सभा चुनाव 2024

MP में 4 वर्षों में मतदान

लटका दिया। प्रजापति पूर्व आईएस अधिकारी हैं। यह पूरा प्रकरण सायास था या अनायास इस बात को लेकर खजुराहो से भोपाल तक तरह-तरह के किस्से हवा में तैर रहे हैं। प्रदेश की एक अन्य सीट का जिक्र करें, तो बैतूल के बसपा प्रत्याशी अशोक भलावी का 9 अप्रैल को दिल का दौरा करने से निधन हो गया। इस कारण 26 अप्रैल को दूसरे चरण में यहां होने वाला मतदान स्थगित हो गया है और अब यहां पर 7 मई को यानी तीसरे चरण में मतदान कराया जाएगा। दलीली और भोपाल में बैठे भाजपा नेताओं का पूरा फेक्स मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नीचे से जाजम खींचने पर है। भारतीय जनता पार्टी की नई ज्वॉइनिंग टोली जी-जान से जुटी हुई है। भाजपा स्थापना दिवस पर 1.26 लाख नेता-कार्यकर्ताओं को भाजपा में शामिल करके पूर्व गृह मंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा के नेतृत्व में न्यू ज्वॉइनिंग टोली ने रिकार्ड तोड़ काम करने का दावा किया है। इस टोली का दावा है कि पिछले तीन माह में 2.58 लाख लोगों को भाजपा से जोड़ा जा चुका है और इनमें अधिकांश कांग्रेस के ही लोग हैं, लेकिन इसके बारे में कोई अधिकारिक दस्तावेज जारी न किए जाने को

कांग्रेस लगातार मुद्दा बना रही है। कमलनाथ के गठिंदवाड़ा में धुसरक उनके खास लोगों, खासकर उनके दाएं हाथ माने जाने वाले विधायक दीपक सक्सेना के भाजपा में लाकर जो सेंध लगाई है, वह एक काफी लंब्व योजना का हिस्सा है। पिछले दिनों कमलनाथ वे भाजपा में आने की चर्चाओं ने उन पर अब तक किया जाने वाले राजनीतिक भरोसे को काफ़ी हद तक कम कर दिया है। भाजपा की गतिविधियों पर लगातार निगाह रखने वाले राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि 1984 के दंगों में आरोपित कमलनाथ यदि भाजपा में आ जाते, तो भाजपा को ज्यादा नुकसान होता। उन्हें भाजपा में न लेकर, लेकिन उनके भाजपा में आने का भरपूर चर्चा करके उनके राजनीतिक वजूद और विश्वसनीयता पर पार्टी ने जो हमला किया है, इसके अंदर उनके कमलनाथ भी नहीं लगा सके थे। दिसंबर 2023 में हुए मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव जिस प्रकार दिल्ली के पूर्ण नियंत्रण में संचालित किए गए थे, वही स्थिति इस लोकसभा चुनाव में भी है। प्रदेश के जिलों में चुनावी तैयारी किस प्रकार चल रही है, इसके जानकारी एक बार भोपाल में भले ही न हो, पर दिल्ली

के पास हर पल का रिपोर्ट हाता है। जिला स्तर पर भाजपा नेता कितनी बैठकें कर रहे हैं, कितने लोगों से मिल रहे हैं, ये सारे आंकड़े दिल्ली में रोज अपडेट होते हैं। दिल्ली की भी निगाह बाकी क्षेत्रों की अपेक्षा छिंदवाड़ा पर ही कुछ ज्यादा केंद्रित है। भाजपा के लिए छिंदवाड़ा मात्र एक लोकसभा सीट नहीं है, बल्कि पिछले 40 सालों से चल रही कमलनाथ की सल्तनत है, जिसे हर हाल में नेस्तनाबूद करना है। कुछ वर्षों पहले तक प्रदेश में कांग्रेस के तीन क्षेत्रपाल माने जाते थे, अब दो रह गए हैं। इनमें भी कमलनाथ मुख्य टारगेट हैं और दिग्विजय सिंह ने खुद को अपने क्षेत्र राजगढ़ तक सीमित कर लिया है। जिस दिग्विजय सिंह की मर्जी के बगैर मध्य प्रदेश में पत्ता भी नहीं हिल सकता था, वह इस बार आखिरी चुनाव की दुहाई देकर बोट मांग रहे हैं। वैसे इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी ज्यादा निश्चिंत लगती है, क्योंकि उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। बहरहाल, मध्य प्रदेश में असली चुनावी मुद्दा प्रधानमंत्री नंदेंद मोदी भी हैं। स्थानीय भाजपा प्रत्याशी को लेकर यदि कहीं कुछ दिक्त या नाराजी हो भी, तो मोदी का नाम उसकी पूर्ति कर दे रहा है। प्रदेश में कुछ सीट ऐसी हैं, जहां भाजपा को अपने ही लोगों से खतरा हो सकता है, उनमें रीवा, राजगढ़, धार और मंडला का नाम लिया जा सकता है। दिल्ली में काम कर रही केंद्रीय टीम की निगाहें इस क्षेत्र के संभावित नुकसान पहुंचा सकने वाले अपने नेताओं पर टिकी हैं और वह उनकी नकेल भी कसती रहती है। चार माह पहले हुए विधानसभा चुनाव में 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 163, कांग्रेस ने 66 सीटें जीती थीं और एक सीट आदिवासी विकास पार्टी की झोली में गई थी। विधानसभा के इन परिणामों के आधार पर लोकसभा सीटों का आकलन किया जाए, तो कांग्रेस केवल पांच लोकसभा सीटों पर भाजपा को चुनावी देने की स्थिति में है, पर क्या आज भी वैसी ही स्थिति है? राज्य चुनाव और देश के चुनाव में अंतर तय है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अधूरे कामकाज

124 सचिवों का रोका वेतन

कोरबा (विश्व परिवार)। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर करने वाले जिले के 124 सचिवों का वेतन रोक दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास के अधूरे कामकाज को इसकी वजह बताइ गई है। संबंधित क्षेत्रों में आवास का काम नहीं हो पाया है। वेतन रोक देने से सचिवों के खर्चे प्रभावित हो गए हैं और घेरेलू कामकाज पर इसका असर पड़ रहा है। हाल में ही एक आदेश जारी करते हुए जनपद पंचायत कोरबा, करतला, पाली, कटधोरा और पोड़ी उपरोड़ा से संबंधित 124 सचिवों के वेतन पर ब्रेक लगा दिया गया। यह कार्रवाई जिले से हुई। सूचनाओं में कहा गया कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति और समीक्षा को



लेकर बैठक हुई थी। इस दौरान संख्या में प्रधानमंत्री आवास मामलों में काम पूरा नहीं हो सका जानकारी सामने आई कि बड़ी योजना से संबंधित स्वीकृत ग्रामीण क्षेत्र में इसकी संख्या ज्याद

है। माना गया कि जिन हाथों को काम करने की जिम्मेदारी दी गई थी उन्होंने रुचि नहीं ली और इसके कारण आवास पूरे नहीं हो सके। अदेश जारी होने से प्रभावित सचिव हैरान हैं। उन्होंने बताया कि पूरे मामले में उनकी कोई भूमिका ही नहीं है। दरअसल पिछली कांग्रेस सरकार ने केंद्र प्रवर्तित प्रधानमंत्री आवास योजना को गंभीरता से नहीं लिया। केंद्र के 60 प्रतिशत और राज्य के 40 प्रतिशत योगदान से योजना पर काम हो रहा है। छत्तीसगढ़ के लिए स्वीकृत इकाईयों के लिए केंद्र ने पैसा तो दिया लेकिन राज्यांश देने में छत्तीसगढ़ ने रोड़े अटकाए। इसके चलते संबंधित क्षेत्रों में योजना की किस्त जारी नहीं हो सकी। इस स्थिति में पंचायतें योजना का क्रियान्वयन करती किस तरह से। इसी के चलते आवासों का काम अधूरा रह गया। सचिवों ने बताया कि उन्होंने मामले की जानकारी अपने संगठन के जरिए उच्च स्तर तक भिजवाई है और इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। पक्षे आवास का मामला शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक असर डाल रहा है। बीते वर्षों में केंद्र की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे आवास दिए जा रहे थे। अब नई सरकार ने पक्षे आवास देने पर काम किया है। ऐसे में भी नीतिगत कारणों से समय पर राशि उपलब्ध नहीं होने से बड़ी संख्या में आवास अधूरे छूटे हुए हैं। लोकसभा चुनाव में यह मामला भी तूल पकड़ रहा है। ऐसे में संभव है कि कोई एक इसे भुनाएगा और दूसरा दल परेशानी ढालेगा।

निर्वाचिन आयोग की पहल से दिव्यांग दलालों से रहे सावधानः आसानी मतदाताओं को मिल रही बड़ी राहत से बन रहे राशन कार्ड

कांकेर(विश्व परिवार)। लोकतंत्र के महापर्व में कोई भी मतदाता मतदान करने से वर्चित न रहे, इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 85 से अधिक आयु वाले एवं 40 प्रतिशत दिव्यांगता वाले मतदाताओं को होम वोटिंग सुविधा दी जा रही है। आयोग की इस संवेदनशील पहल से जिले के ऐसे मतदाता जो मतदान केन्द्र तक पहुंचकर वोट नहीं कर पाते, उन्हें बहुत बड़ी राहत मिल रही है। अब वे घर पर ही मतदान कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहे हैं। ऐसे ही मतदाता भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के ग्राम पर्यंकोड़े निवासी 21 वर्षीय कु. मधु कौड़ो भी हैं, जिन्होंने होम वोटिंग के पहले दिन 14 अप्रैल 2024 को घर पर मतदान किया। उनकी भाभी श्रीमती

चमकी बाई कौड़ो ने सहायक के रूप में उन्हें मतदान करने में मदद की। श्रीमती चमकी बाई ने बताया कि मधु कौड़ा 85 प्रतिशत दिव्यांग है और बिना सहारे के चलने-फिरने और अन्य दैनिक कार्य करने में असमर्थ हैं, जिसके घर से बाहर कहीं आ-जा नहीं पाती हैं। पिछले वर्ष 2023 में विधानसभा निर्वाचन में भी वह डाकमत पत्र के जरिए पहली बार मतदान किया था। इसी प्रकार ग्राम भानुप्रतापपुर के ग्राम तमोड़ा निवासी 36 वर्षीय सुश्री दुखिया उसेण्डी 70 प्रतिशत दिव्यांग महिला मतदाता हैं, जिन्होंने पहली बार डाक मतपत्र से लोकसभा निवार्चन के लिए मतदान किया। सुश्री दुखिया उसेण्डी द्वारा डाक मतपत्र से मतदान की प्रक्रिया पूरी करने में असमर्थ होने पर मतदान

दल ने इसके लिए उनके भाई परमेश्वर को सहायक के रूप में मान्य करते हुए मतदान करने में उनकी मदद की। दिव्यांग मतदाताओं के परिजनों ने घर पर ही मतदान करने की सुविधा मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए निर्वाचन आयोग और मतदान दल के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार जताया। इसी तरह चारामा विकासखण्ड के ललतूनगर, नाकापारा चारामा निवासी 58 वर्षीय दिव्यांग मतदाता श्री खेमूराम देवांगन ने भी डाक मतपत्र से अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान दल के सदस्यों ने आज श्री खेमूराम देवांगन के घर पहुंचकर मत की पूरी गोपनीयता के साथ डाक मतपत्र से मतदान की प्रक्रिया को पूर्ण कराई।

कोरबा(विश्व परिवार)। खाद्य सुरक्षा अधिकार के अंतर्गत लोगों को खाद्यान्त्र की सुविधा सरकार की ओर से दी जा रही है। इसमें एपीएल और बीपीएल दोनों ही श्रेणी के लोगों को शामिल किया गया है। निर्धारित प्रक्रियाओं के साथ राशन कार्ड आसानी बन रहे हैं। कहा गया है कि लोग नए राशन कार्ड बनाने से लेकर उनमें आवश्यक संशोधन के लिए प्रक्रियाओं का पालन करें और दलालों से दूर रहें। कोरबा जिले में राशन कार्ड बनाने का काम पारदर्शिता से हो रहा है। शहरी क्षेत्र में नगरीय निकाय और ग्रामीण

पंचायतों को इसकी संरचित रारी दी गई है। वर्तमान वित्त राशन कार्डों के अनुसार उन मामलों में जिनमें कारण से लोग अब तक बचत से बचत हैं, उन्हें बचत करने के लिए खुले हुए हैं। बताया कि निकाय क्षेत्र में आठों को निर्धारित प्रपत्र था आवेदन करना है। इन के लिए भी यही वित्त है, केवल प्लेटफर्म है। नियमों की संरचित स्तर से जुड़ी अपलब्ध करायी जा सभी बिंदुओं पर काम और सत्यापन के बाद संरचित अध्यर्थी को राशन कार्ड जारी किये जा रहे हैं। इस मामले में और किसी प्रकार की उलझन नहीं है। सुचनाएँ मिली हैं कि विभिन्न क्षेत्रों में राशन कार्ड बनवाने के नाम पर कई बिचैतिए सक्रिय हैं जो लोगों की जानकारी की कमी होने अथवा दूसरे कारण से उन्हें ज्ञांसा देने के साथ मोटी चपत लगा रहे हैं। लगातार इस प्रकार के मामले सामने आ रहे हैं। सरकारी तंत्र ने कहा है कि प्रदेश सरकार ने पारदर्शी व्यवस्था बनाकर रखी हुई है और इसके अंतर्गत दलालों की कोई भूमिका नहीं है उनसे बचकर रहें।

**मोबाइल चोरी करने वाले तीन
आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे**

धमतरी(विश्व परिवार)। जिसे के साइबर व कोतवाली पुलिस की टीम ने मोबाइल चोरी करने वाले तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 8 नग मोबाइल जब्त किया है मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुख्यिर से सूचना मिली कि तीन व्यक्ति मोबाइल बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर पुलिस की टीम अंबेडकर चौक धमतरी के पास पहुंचा और घेराबंदी कर तीनों को पकड़कर पुछताछ किए, तो अपना नाम संजय गोरा 20 वर्ष, गजेन्द्र बांधे 19 वर्ष व राज कोशले 19 वर्ष बताया। तीनों आरोपी डाक बंगल धमतरी के रहने वाले हैं। पुछताछ में आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से 8 नग मोबाइल फेन जब्त किया है।

दोपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

धमतरी(विश्व परिवार)। जिले के करेलीबाड़ी चौकी पुलिस ने दोपहिया वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से एक बाइक जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस के टीम ने मुख्यालय की सूचना पर चोरी की बाइक बेचने के लिए ग्राहक तलाशते आरोपी नारायण यादव 27 वर्ष निवासी करेलीबाड़ी चौकी करेलीबाड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ किया तो आरोपी ने एक घर के आंगन से चोरी कर अपने घर ले जाकर रखना कबूल किया। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

डाक मतमत्र का उपयोग 50 लोगों ने किया

अन्रदाता किसानों के बारे में कांग्रेस ने हमेशा बेहतर किया इस बार भी करेंगे : ज्योत्सना महंत

कोरबा(विश्व परिवार)।
कोरबा लोकसभा कांग्रेस
प्रत्याशी व सांसद ज्योत्सना
चरणदास महंत द्वारा अपने सघन
जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस के
न्याय पत्र 2024 को प्रमुखता से
रखा जा रहा है। सांसद ने
उपस्थित जनसमुदाय को बताया
कि कांग्रेस हमेशा से ही अन्धादाता
किसानों के बारे में सोचती आई
है और उनके लिए जो भी बेहतर
से बेहतर हुआ है, करने की
कोशिश की है। हमने वादा किया
है कि केन्द्र में सरकार आने पर
किसानों का पूरा कर्जा माफ़ करने
के साथ-साथ उन्हें कृषि
उपयोगी बीज से लेकर
उपकरणों, ट्रैक्टर, ट्राली तक में
लगने वाले सभी तरह के टैक्स



पि
कर
में
स्स

से मुक्त किया जाएगा। सांसद ने 700 से
कहा कि 5 साल से देशभर के चुके हैं
किसान दिल्ली में आंदोलन पर हो रही

0 किसान बलिदान दे
तु उनकी सुनवाई नहीं
ग्रेस ने वादा किया है
कि सरकार बनने के स
एमएसपी लाया जाएगा।
जब-जब कांग्रेस की

रही तब-तब किसानों का कज़माफ़ किया गया। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी तो २४ घंटे के भीतर कर्जा माफ़ किया और बिजली बिल हाफ़ कर्जा योजना अमल में लाई गई। मजदूरों को ईलाज की सुविधा के साथ-साथ परिवार की सुरक्षा के लिए बीमा का भी लाभ हमें देंगे। सांसद ने कहा कि बीजेपी की सरकार ने 10 साल में कुछ नहीं किया, इस बार सरकार बदल कर देखिए, आपके अच्छा लगेगा। जनसंपर्क वेदी दौरान सांसद का ग्रामवासियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया जाता रहा। बड़ी संख्या में स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

ਨੁਕਤ ਸਭਾ ਮੇਂ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹਏ ਕੈਬਿਨੇਟ ਸੰਵੀ ਦੇਗਾਵ

कोरबा(विश्व परिवार)। अंचल के एम.पी. नगर में आयोजित नुकड़ सभा को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि आज शहर की रिहायशी इलाकों की सूरत बस्तियों से भी बदतर हो चुकी है। आज शहर के जिन कॉलोनियों को निगम ने बसाया था उनमें एक की भी स्थिति सही नहीं है। लंबे समय से एम.पी. नगर के सिवरेज सिस्टम की पूरी लाइन को बदलने की मांग की जा रही है, लेकिन कांग्रेस ने सिर्फ हवाहवाई बाते ही की, कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा की भाजपा सरकार सभी कॉलोनियों का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस समस्या के निदान के लिए अब आपको मांग करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस अवसर पर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रमुख तिवारी, युवा मोर्चा के महामंत्री और पार्षद नरेंद्र देवांगन, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सोनू भाटिया, पूर्व पार्षद दिनेश वैष्णव, रामकुमार राठौर, कार्यकर्ता गण और आम जनमानस उपस्थित थे।

